साई भगतन की भगती

हे साई नाथ तुम्हरो हमने कैसे रूप रचो पत्थर में,
जाको जैसो मन को भावे वैसे रूप रचो भगवन ने,
साई भक्तन की भगति एक ही साई रूप हज़ारो कही तो कही गणपति,
साई भगतन की भगती,

कोई लम्बी नाक बनावे,कोई बड़े कान लगावे,
जाको जैसो मन को भावे वैसे बनावे मूरति,
साई भक्तन की भगति....

शिरडी तीर्थ जो भी आवे मन वंचित फल पावे,
जाको जैसो मन को भावे वैसे ुतारें आरती,
साई भगतन की भगति.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/7977/title/sai-bhagtan-ki-bhagati-ek-hi-sai-roop-hazarao-kahi-to-shiv-ji-kahi-ganpati

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |